

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून दिनांक : 07 ~~नवम्बर~~ ^{दिसम्बर} 2016

विषय :- वित्तीय वर्ष 2016-17 में उत्तराखण्ड राज्य के समस्त जनपदों के पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-796/दो-लेखा/2916/2016-17 दिनांक 01.09.16 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय में 20-पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों को अर्द्धसैनिकों का प्रशिक्षण-44-प्रशिक्षण व्यय मानक मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 40.00 लाख (रु0 चालीस लाख मात्र) के सापेक्ष इतनी ही धनराशि आपके निर्वहन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2- उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय उक्त प्रशिक्षण हेतु ₹ 1500/- प्रति सैट प्रति पी0आर0डी0 स्वयंसेवक की वर्दी, ₹ 150/- प्रतिदिन प्रति पी0आर0डी0 स्वयंसेवक के भोजन तथा ₹ 1000/- प्रति पी0आर0डी0 स्वयंसेवक के आवास, स्टेशनरी आदि पर आने वाले व्ययभार के सापेक्ष किया जायेगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 एवं शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015, शासनादेश संख्या-645/XXVII(1)/2015 दिनांक 04 जून, 2015, शासनादेश संख्या-1325/XXVII(1)/2015 दिनांक 16 नवम्बर, 2015 तथा शासनादेश संख्या-1336/XXVII(1)/2015 दिनांक 17 नवम्बर, 2015, शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 तथा शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

5- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है।

6- व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

7- स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जायें।

8- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जाये।



.....2

9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 2204-खेल कूद तथा युवा सेवाएँ-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-20-पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों को अर्द्धसैनिकों का प्रशिक्षण-44-प्रशिक्षण व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-143(P)/XXVII(3)/2016 दिनांक 16.11.16 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 50) (1)/VI-2/2016-51(3)15 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
6. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिव विभूति रंजन)
अनुसचिव